आकाशवाणी श्री विजयपुरम

दिनांक : 11.09.2025 समय : 1905

<><><><><><><>

- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वाराणसी में मॉरीशस के प्रधानमंत्री नवीनचंद्र रामगुलाम के साथ द्विपक्षीय वार्ता की। दोनों देशों के बीच चार समझौतों पर हस्ताक्षर।
- जी एस टी सुधार से सस्ती होगी दवाईया, कैंसर और दुर्लभ रोगियों को बड़ी राहत।
- भाजपा प्रदेश अध्यक्ष अनिल कुमार तिवारी और प्रभारी रघुनाथ कुलकर्णी का अंडमान निकोबार दौरा सम्पन्न, दौरे में जी एस टी सुधार पर भी चर्चा हुई।
- मत्स्य पालन विभाग ने द्वीपसमूह में मीठे पानी की जलीय कृषि को बढ़ावा देने के लिए महत्वपूर्ण पहल की।

<><><><><><><>

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और मॉरिशस के प्रधानमंत्री नवीनचन्द्र रामगुलाम ने आज वाराणसी में द्विपक्षीय बातचीत की। दोनों देशों के बीच चार समझौतों पर हस्ताक्षर हुए। प्रधानमंत्री मोदी ने दोनों देशों के बीच प्रगाढ़ होते संबंधों की पुष्टि करते हुए कहा भारत और मॉरिशस दो राष्ट्र हैं, लेकिन हमारे सपने एक हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि भारत और मॉरिशस साझेदार ही नहीं एक परिवार भी है। उन्होंने कहा कि भारत ने हमेशा से मॉरिशस में उपनिवेशवाद के उन्मूलन और उसकी सम्प्रभुता को पूर्ण मान्यता देने का समर्थन किया है। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत के बाहर पहला जन औषधि केन्द्र मॉरिशस में स्थापित किया गया है। उन्होंने कहा कि ऊर्जा सुरक्षा द्विपक्षीय साझेदारी का महत्वपूर्ण स्तम्भ है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि आई. आई.टी मद्रास और भारतीय वृक्षारेपण प्रबंधन संस्थान ने मॉरिशस विश्वविद्यालय के साथ समझौतों पर हस्ताक्षर किए हैं। मॉरिशस के प्रधानमंत्री नौ से सोलह सितम्बर तक भारत की यात्रा पर हैं।

<><><><><><><>

भारत सरकार द्वारा फार्मा सेक्टर में किए गए जी.एस.टी सुधारों से दवाइयों की कीमतों में कमी आएगी और देश के फार्मा मार्केट को बढ़ावा मिलेगा। अगस्त में फार्मा क्षेत्र ने आठ दशमलव सात प्रतिशत की मूल्य वृद्धि दर्ज की थी, और आने वाले समय में इस क्षेत्र में मूल्य निर्धारण, पहुंच और रोगियों की संख्या में बड़े बदलाव की उम्मीद है। ईवाई इंडिया के टैक्स पार्टनर, सुरेश नायर के अनुसार, जी.एस.टी परिषद द्वारा किए गए सुधार स्वास्थ्य सेवा के लिए क्रांतिकारी साबित होंगे। सरकार ने सभी दवाइयों पर जीएसटी

दर बारह प्रतिशत से घटाकर पांच प्रतिशत कर दी है, और छत्तीस महत्वपूर्ण जीवन रक्षक दवाइयों पर शून्य जी.एस.टी दर लागू की है। इससे रोगियों के खर्च में कमी आएगी और आवश्यक उपचारों तक उनकी पहुंच आसान होगी। जी.एस.टी परिषद की पैसठवीं बैठक में सरकार ने अप्रत्यक्ष कर ढांचे को युक्तिसंगत करते हुए चार स्लैब को घटाकर दो (पांच प्रतिशत और अटठारह प्रतिशत) कर दिए, जबकि बारह प्रतिशत और अटठाईस प्रतिशत की दरें समाप्त कर दी गई हैं। विशेष रूप से, कैंसर और दुर्लभ रोगों की तैंतीस दवाइयों पर जी.एस.टी को घटाकर शून्य कर दिया गया है, जिससे मरीजों पर लागत का बोझ कम होगा। यह बदलाव बाईस सितंबर से लागू होगा, और इससे सनोफी, नोवार्टिस, जॉनसन एंड जॉनसन, जी.एस.के, बायर जैसे प्रमुख कंपनियों की कैंसर–रोधी और दुर्लभ रोगों की दवाइयां सस्ती होंगी। इसके साथ ही, उद्योग नई मूल्य निर्धारण रणनीतियों और पहुंच कार्यक्रमों पर काम करेगा, जिससे स्वास्थ्य सेवा तक पहुंच और सुधार की संभावना बढ़ेगी।

<><><><><><><>

भारत की प्राचीन पांडुलिपि विरासत को डिजिटल रूप में संरक्षित करने के लिए ज्ञान भारतम मिशन की शुरुआत की गई है। संस्कृति मंत्रालय द्वारा आयोजित तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन ग्यारह से तेरह सितंबर तक विज्ञान भवन, नई दिल्ली में होगा। इस सम्मेलन का उद्देश्य भारत की पांडुलिपियों को डिजिटलीकरण, संरक्षण और वैश्वीकरण के माध्यम से भविष्य की पीढ़ियों के लिए संरक्षित करना है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में, यह मिशन भारत की ऐतिहासिक धरोहर को आधुनिक तकनीक से जोड़ते हुए दुनिया भर में साझा करेगा। सम्मेलन में एक हजार एक सौ से अधिक विद्वान, विशेषज्ञ और सांस्कृतिक संरक्षक भाग लेंगे। मिशन के तहत पांडुलिपियों के डिजिटलीकरण, अनुवाद और वैश्विक उपलब्धता के लिए ए.आई–आधारित तकनीकों का इस्तेमाल किया जाएगा। यह कदम भारत को अपनी सांस्कृतिक धरोहर को डिजिटल युग में सुरक्षित करने और उसे वैश्विक मंच पर प्रस्तुत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित होगा।

<><><><><><><>

भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष अनिल कुमार तिवारी और अंडमान–निकोबार द्वीपसमूह के प्रभारी रघुनाथ कुलकर्णी का कार निकोबार और कैम्पबेल बे का दौरा सम्पन्न हुआ। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष अनिल कुमार तिवारी ने अपने सत्तर दिन के कार्यकाल में पूरे अंडमान–निकोबार द्वीपसमूह का दौरा पूरा किया है। दस सितम्बर तक उन्होंने द्वीपसमूह के लगभग सभी क्षेत्रों का भ्रमण कर भाजपा संगठन की गतिविधियों और जनता की अपेक्षाओं का आकलन किया। इस दौरे के दौरान कार निकोबार से कैम्पबेल बे

तक की यात्रा में बड़ी संख्या में चुने हुए प्रतिनिधि, कार्यकर्ता और पी.आर.आई. सदस्य शामिल हुए। कार्यक्रम में लगभग पाँच सौ लोगों की उपस्थिति रही। इसके अलावा चार पंचायतों में भी बैठकें सम्पन्न हुईं, जिनमें स्थानीय मुद्दों और संगठन की मजबूती पर चर्चा की गई। दौरे के समापन पर प्रदेश अध्यक्ष अनिल तिवारी ने इस यात्रा को अत्यंत उत्साहवर्धक बताया। उन्होंने सभी भाजपा कार्यकर्ताओं तथा स्थानीय जनता के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इस अभियान से पार्टी संगठन को नई ऊर्जा और मजबूती मिली है। प्रदेश प्रभारी रघुनाथ कुलकर्णी ने भी कार्यकर्ताओं की सराहना करते हुए कहा कि भाजपा अंडमान–निकोबार में विकास और जनसेवा के संकल्प के साथ लगातार आगे बढ़ रही है। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष अनिल कुमार तिवारी ने मोदी सरकार द्वारा गरीबों के लाभ के लिए किए जा रहे सामाजिक और विकासात्मक कार्यों पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) में हाल ही में की गई कटौती की भी जानकारी दी।

<><><><><><><>

अंडमान निकोबार प्रशासन के मत्स्य पालन विभाग ने द्वीपसमूह में मीठे पानी की जलीय कृषि को बढ़ावा देने के लिए एक महत्वपूर्ण पहल की शुरुआत की है। नयागांव स्थित मत्स्य बीज फार्म में भारतीय मेजर कार्प मछली के बीजों का स्थानीय उत्पादन सफलतापूर्वक शुरू किया गया है। इस पहल के तहत, कुल एक हजार दो सौ पचास फिंगर लिंग आकार के मछली के बीजों को हेलीकॉप्टर सेवाओं द्वारा हवाई मार्ग से निकोबार जिले के अमृत सरोवर तालाबों में पहुँचाया गया। वहीं, लगभग नौ सौ फ्राई आकार के मछली के बीज दक्षिण अंडमान जिले के अमृत सरोवर तालाबों में छोड़े गए। इसके अतिरिक्त, स्थानीय मछली पालकों के बीच भी मछली के बीज वितरित किए गए हैं। यह पहल द्वीपसमूह में सतत मत्स्य विकास, बीज उत्पादन में आत्मनिर्भरता और मछली पालकों की आजीविका को मजबूत करने के उद्देश्य से शुरू की गई है। अंडमान निकोबार प्रशासन की यह निरंतर प्रतिबद्धता मछली पालन क्षेत्र को एक नई दिशा देने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। इससे न केवल मछली पालकों की आय में वृद्धि होगी, बल्कि क्षेत्र में जलीय कृषि की स्थिरता और विकास भी सुनिश्चित होगा।

<><><><><><><>

अंडमान निकोबार द्वीप समूह के सांसद श्री बिष्णु पद रे ने बाराटांग के जरावा क्रीक में एक नए स्वास्थ्य एवं कल्याण केंद्र के निर्माण की घोषणा की है। ग्रामीणों की मांग और कठिनाइयों को ध्यान में रखते हुए, यह केंद्र आई.पी.एच.एस मानदंडों के तहत दो दशमलव बीस करोड़ रुपये की अनुमानित लागत से

बनाया जाएगा। पहले प्रस्तावित उप–केंद्र की मरम्मत से स्थिति में सुधार संभव नहीं था, क्योंकि यह पहाड़ी पर स्थित था। नए केंद्र का निर्माण स्वास्थ्य विभाग द्वारा दो हजार पच्चीस–छब्बीस की कार्य योजना में शामिल किया गया है।

<><><><><><><>

परिवहन निदेशालय, के सहयोग से श्री विजयपुरम में कल एक शिशु पालना गृह का शुभारंभ किया जाएगा। उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में परिवहन विभाग की सचिव ज्योति कुमारी भाग लेंगी। इस पहल का उद्देश्य कामकाजी माता–पिता को सहारा प्रदान करना और कार्य स्थल पर बच्चों के लिए एक अनुकूल वातावरण बनाना है। शिशु पालना गृह की इस सुविधा से कर्मचारियों को उनके बच्चों के लिए सुरक्षित और आरामदायक स्थान प्रदान किया जाएगा, जिससे वे अपने कार्य में और अधिक योगदान कर सकेंगे।

<><><><><><><>